web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 14 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 192

अंतर्राष्ट्रीय

दारफुर में नरसंहार : विस्थापितों के शिविर पर दो दिन तक हमला, 100 से ज्यादा की मौत, 20 बच्चे और 9 राहतकर्मी भी शामिल

काहिरा । सूडान के दारफुर क्षेत्र में विस्थापित नागरिकों के शिविरों पर हुए सिलसिलेवार हमलों में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। मरने वालों में 20 बच्चे और 9 सहायता कर्मी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय समन्वयक क्लेमेंटाइन नक्वेता-सालमी ने इस घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज और उनसे जुड़े लड़ाकों ने शुक्रवार को जमजम और अबू शोरौक शिविरों सहित अल-फशर के नजदीकी इलाकों पर हमला किया। अल-फशर अभी सेना के नियंत्रण में है, जो दो साल पहले शुरू हुए गृहयुद्ध से आरएसएफ के खिलाफ लड़ रही है। शनिवार को भी हमलों का सिलसिला जारी रहा, जिसमें जमजम शिविर में 9 राहतकर्मियों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, सूडान में पिछले दो वर्षों से जारी गृहयुद्ध में अब तक 24,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि, स्थानीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए - स्थानीय अधिकारी

खार्तूम । पिछले दो दिनों में सूडान के पश्चिमी हिस्से में स्थित उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी अल फाशर में दो शरणार्थी शिविरों पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक आम नागरिकों की मौत हो गई। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी ने दी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहीम खातिर ने बताया, शुक्रवार को जमजम शिविर पर आरएसएफ द्वारा किए गए हमले में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हुए। उन्होंने आगे बताया, शनिवार को अबू शौक शिविर पर एक और हमला हुआ, जिसमें 14 और लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। इब्राहीम खातिर ने यह भी बताया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ इंटरनेशनल नामक गैर-सरकारी संस्था के 9 कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक अस्थायी अस्पताल चला रहे थे। इमरजेंसी रूम नाम के एक स्वयंसेवी संगठन ने बताया कि शनिवार को अबू शौक शिविर पर आरएसएफ की भारी गोलाबारी में 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हुए। इन हमलों को लेकर आरएसएफ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 10 मई 2024 से अल फाशर में सूडान की सेना (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भारी लड़ाई चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29,600 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं।

ट्रंप सरकार का नया इमिग्रेशन नियम : अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे साथ रखना होगा ये दस्तावेज, वरना होगी जेल

न्यूयॉर्क । अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों चाहे वे कानूनी वीजा जैसे ।।1क्च या स्टूडेंट वीजा पर हों, को अब 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य होगा। यह नया नियम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा लागू किया गया है और 11 अप्रैल से प्रभाव में आ चुका है। अमेरिका में 30 दिन या उससे अधिक समय तक रहने वाले सभी गैर-नागरिकों (14 वर्ष या उससे अधिक आयु) को फॉर्म भरकर सरकार के पास पंजीकरण कराना होगा। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए उनके माता-पिता को यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। 11 अप्रैल के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वाले लोगों को 30 दिनों के भीतर यह पंजीकरण कराना अनिवार्य है। नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना, जेल या दोनों हो सकते हैं।

भारत-म्यांमार समेत 3 एशियाई देशों में आया भूकंप, एक घंटे के भीतर कई बार कांपी धरती

नईदिल्ली । आरएनएस

13 अप्रैल को एक घंटे के भीतर 3 एशियाई देश भूकंप से झटके से कांप उठे। भारत, म्यांमार और ताजिकिस्तान में एक घंटे के भीतर भूकंप के 4 झटके महसूस किए गए। अभी तक इन भूकंप में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप से जूझ रहे म्यांमार के शहर मीकटिला में आज फिर 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में आज सुबह 9:18 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.4 मापी गई। इसका केंद्र सुंदरनगर के जयदेवी क्षेत्र में जमीन से 5 किलोमीटर नीचे स्थित था। हालांकि, भले ही भूकंप की तीव्रता कम थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने इसके झटके महसूस किए और घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। इससे पहले 23 फरवरी को भी मंडी में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

ताजिकिस्तान में भी आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि ये भूकंप आज अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 4:24 बजे खुजंद शहर से 180 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में आया।

इसका केंद्र पृथ्वी की सतह से 16 किलोमीटर नीचे और तीव्रता 6.1 थी। इसके करीब आधे घंटे बाद ही 3.9 तीव्रता का एक और भूकंप आया। 12 अप्रैल को भी तजाकिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, म्यांमार में मीकटिला के पास 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। यह 28 मार्च को आए विनाशकारी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद सबसे शक्तिशाली झटकों में से एक था। म्यांमार ने इसका केंद्र जमीन से 20, जबकि यूएसजीएस ने 7 किलोमीटर नीचे बताया।

बता दें कि आज ही म्यांमार में पारंपरिक नववर्ष का 3 दिवसीय उत्सव थिंग्यान शुरू हुआ है। हालांकि, भूकंप की वजह से सार्वजनिक कार्यक्रम पहले ही रद्द कर दिए गए हैं।

12 अप्रैल को पाकिस्तान में आधे घंटे के भीतर भूकंप के 2 झटके महसूस किए गए थे। पहला झटका दोपहर 12:31 बजे आया था। इसका केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में जमीन की सतह से 12 किलोमीटर गहराई में था। वहीं, दूसरा झटका दोपहर एक बजे आया था। इसका केंद्र संजवाल से 12 किलोमीटर दूर जमीन से करीब 10 किलोमीटर गहराई में था। इसका असर जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों तक महसूस हुआ था।

पृथ्वी की सतह 4 परतों से मिलकर बनी है। इसमें इनर कोर, आउटर कोर, मेंटल और क्रस्ट शामिल हैं। क्रस्ट और ऊपरी मेंटल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। यह 50 किलोमीटर मोटी और कई वर्गों में बंटी हुई परत है, जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स भी कहा जाता है।ऐसी लगभग 7 बड़ी और छोटी प्लेटें हैं। यह टेक्टोनिक प्लेट्स लगातार खिसकती रहती हैं और इसी हलचल से जब अधिक दबाव बनता है तो धरती हिलने लगती है, जिसे भूकंप कहते हैं।

भारत ने विकसित की अत्याधुनिक लेजर हथियार प्रणाली, मिसाइलों और ड्रोन को पलक झपकते नष्ट करने में सक्षम

कुरनूल । आरएनएस

भारत ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आज एक बड़ी तकनीकी छलांग लगाई है. डीआरडीओ ने एमके-2(ए) लेजर-निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित नेशनल ओपन एयर रेंज में किया है. इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास उच्च क्षमता वाली लेजर- डीईडब्ल्यू प्रणाली मौजूद है.

पूरी तरह स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित की गई एमके-2(ए) प्रणाली ने परीक्षण के दौरान अपनी संपूर्ण क्षमता का प्रदर्शन किया. इसने लंबी दूरी पर स्थित फिक्स्ड विंग ड्रोन को नष्ट किया, एक साथ कई ड्रोन हमलों को विफल किया और दुश्मन के निगरानी उपकरणों व एंटेना को भी पूरी सटीकता से तबाह किया. लक्ष्य पर कुछ ही सेकंड में त्वरित, सटीक और घातक प्रहार की क्षमता ने इसे अब तक का सबसे प्रभावी काउंटर ड्रोन सिस्टम बना दिया है.

डीआरडीओ के सेंटर फॉर हाई एनर्जी सिस्टम एंड साइंसेज, हैदराबाद ने इस प्रणाली को एलआरडीई, आईआरडीई, डीएलआरएल, विभिन्न शिक्षण संस्थानों और भारतीय उद्योगों के सहयोग से विकसित किया है. इसका रडार या इनबिल्ट इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सिस्टम लक्ष्य की पहचान करता है और फिर लेजर बीम के माध्यम से पलक झपकते ही उस पर हमला करता है. यदि यह बीम सीधे वारहेड पर केंद्रित हो, तो यह और भी विनाशकारी प्रभाव छोड़ती है.

ड्रोन और अनमैन्ड एरियल सिस्टम की बढ़ती चुनौतियों के बीच लेजर-डीईडब्ल्यू प्रणाली को गेमचेंजर माना जा रहा है. यह प्रणाली परंपरागत हथियारों की तुलना में न केवल सस्ती है, बल्कि सटीक भी है. कुछ सेकंड तक इसका संचालन महज़ कुछ लीटर पेट्रोल की कीमत के बराबर होता है, जिससे यह दीर्घकालिक और किफायती विकल्प बन जाती है.

कार और बस के बीच भीषण भिड़ंत, 4 की मौत

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में रविवार को भीषण सडक़ हादसा हो गया। एक कार और सरकारी बस की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 3:30 बजे सोमासिपाडी गांव से सटे कट्टुकुलम के पास हुई। हादसे की सूचना मिलने पर किलपेन्नाथुर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तिरुवन्नामलाई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा।

साथ ही पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और दुर्घटना के कारणों का पता लगा रही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद तमिलनाडु में पिछले एक साल में सडक़ हादसों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

साल 2024 में राज्य में 17,282 घातक दुर्घटनाओं में 18,074 लोगों की मृत्यु हुई थी, जो 2023 की तुलना में 273 कम है। 2023 में 17,526 दुर्घटनाओं में 18,347 लोगों की मृत्यु हुई थी। राज्य पुलिस प्रमुख शंकर जिवाल ने हादसों में कमी का श्रेय सडक़ सुरक्षा उपायों को दिया है, जिनमें सख्त ट्रैफिक नियम लागू करना, नशे में वाहन चलाने के खिलाफ कार्रवाई और दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट्स) में सुधार शामिल हैं।

2023 के आंकड़ों से पता चला कि 17,526 दुर्घटनाओं में से 16,800 हादसे चालक की गलती के कारण हुए थे। इस पर ध्यान देने के लिए पुलिस ने सर्वेक्षण किए और वाहन घनत्व, ट्रैफिक पर्यावरण और दुर्घटना इतिहास के आधार पर 6,165 ब्लैक स्पॉट्स चिह्नित किए। राज्य राजमार्ग विभाग के साथ मिलकर 3,165 स्थानों पर सुरक्षा उपाय लागू किए गए। हाईवे पेट्रोल मोबाइल एप्लिकेशन ने जागरूकता फैलाने और बेहतर नियम लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा: मुर्शिदाबाद में 3 की मौत

कोलकाता । आरएनएस

पश्चिम बंगाल के कम से कम 3 जिलों में वक्फ कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। सबसे ज्यादा खराब हालात मुर्शिदाबाद में है। इसके अलावा उत्तर 24 परगना, हुगली और मालदा में भी हिंसक प्रदर्शन हुए हैं।

राज्य में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और पुलिस ने 138 लोगों को गिरफ्तार किया है।

वहीं, कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद राज्य में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बलों के 1,600 जवान तैनात किए हैं। हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में करीब 300 सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों के अलावा 5 और कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद है और लोगों के जुटने पर भी पाबंदी है। बीती रात राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार भी मुर्शिदाबाद पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने हिंसा प्रभावित शमशेरगंज में रूट मार्च भी किया। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हिंसा प्रभावित इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति आने पर अदालत अपनी आंखें बंद नहीं रख सकती।

कोर्ट ने केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों से विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी।

ये आदेश पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

बीते दिन मुर्शिदाबाद के धुलियान में रहने वाले पिता-पुत्र की भीड़ ने हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास और चंदन दास के तौर पर हुई है।

वहीं, तीसरा मृतक 17 साल का एजाज अहमद शेख है, जिसे शुक्रवार को सुती में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगी थी। शनिवार को उसे मृत घोषित कर दिया गया।

धुलियान में आज फिर गोली चलने की खबर है, जिसमें 2 बच्चे घायल हो गए हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से शांति की अपील की है।

उन्होंने लिखा, सभी धर्मों के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया शांत और संयमित रहें। हर जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे मत भडक़ाओ। हमने यह कानून नहीं बनाया है, जिससे लोग नाराज हैं। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। हम किसी भी हिंसक गतिविधि का समर्थन नहीं करते हैं।

तहव्वुर राणा से एनआईए की पूछताछ में दाऊद कनेक्शन के मिले संकेत

❐ **मुंबई हमलों की योजना 2005 से तैयार हो रही थी**

नईदिल्ली । आरएनएस

26/11 मुंबई हमलों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा से दिल्ली स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मुख्यालय में पूछताछ हो रही है. एनआईए हिरासत में तहव्वुर का रविवार को तीसरा दिन है.अब एनआईए डॉन दाऊद इब्राहिम से रिश्तों के तार खंगाल रही है. इस मामले में जांचकर्ता राणा से पूछताछ कर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, एनआईए तहव्वुर राणा के फोन पर हुई बातचीत का रिकॉर्ड खंगाल रही है. इसमें उसकी अधिकांश बातचीत डेविड हेडली से संग हुई है. केंद्रीय जांचकर्ताओं को इस बाद का संदेह है कि फोन पर बातचीत में दाऊद की संलिप्तता के संकेत प्राप्त हुए हैं.

एनआईए का अनुमान है कि मुंबई हमलों की योजना 2005 से तैयार हो रही थी. राणा भी उस योजना का हिस्सा था. हेडली की उसके साथ फोन पर हुई बातचीत को खंगाला जा रहा है. इस जानकारी को एक स्रोत में एकत्रित करने की कोशिश हो रही है. एनआईए स्पष्ट रूप से जानने का प्रयास कर रही है कि मुंबई हमलों की योजना के पीछे कौन बड़ा सरगना था?

राणा से पूछताछ में दुबई के एक शख्स का नाम सामने आया है. इसने हेडली के अनुरोध पर राणा से मुलाकात की थी. जांचकर्ताओं को संदेह है कि इस शख्स को मुंबई हमलों के बारे में पता था. उसके दाऊद या उसकी डी-कंपनी से रिश्ते हो सकते हैं. उस दिशा में जांच हो रही है.

एनआईए का ऐसा दावा है कि राणा का कनेक्शन आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से थे. इसकी जांच हो रही है कि क्या राणा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था? इस मामले की जांच को लेकर आवाज के नमूने को एकत्र किया गया है. इसे परीक्षण के लिए भेजा गया है.

पूछताछ में सामने आया है कि राणा और उसकी पत्नी मुंबई हमलों से कुछ दिन पहले भारत आए थे. यहां पर उन्होंने गई जगहों की यात्रा की थी. राणा से पूछताछ हो रही है कि वह यहां क्यों आए थे? एनआईए ने कोर्ट को बताया कि राणा ने भारत के कई शहरों पर हमले की योजना तैयार की थी. आपको बता दें कि पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा लंबे समय से अमेरिका की जेल में कैद है. उसे गुरुवार को भारत लाया गया. एनआईए ने उसे 18 दिनों की हिरासत में रखा. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राणा को दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित एनआईए कार्यालय में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है. यहां पर कई लेयर में सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

खाटू श्याम जा रहे परिवार की कार ट्रेलर से टकराई, एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत

नईदिल्ली । आरएनएस

जमवारामगढ़ क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लखनऊ से आए एक परिवार की कार सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गई। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्य खाटूश्याम जा रहे थे।

ये हादसा मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे पर स्थित नेकावाला टोल प्लाजा के पास उस वक्त हुआ। हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक साल का एक मासूम शामिल हैं। वह खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे। ये लोग कार में सवार होकर दौसा की ओर से खाटू की तरफ जा रहे थे कि तभी सामने से आ रहे एक ट्रेलर से उनकी कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर भी सडक़ से नीचे उतरकर पलट गया और कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, जिससे सभी लोग उसमें बुरी तरह फंस गए।

घर में लगी आग से दो बच्चों सहित मां की दम घुटने से मौत

❐ **पति गंभीर, जांच में जुटी पुलिस**

बस्ती । आरएनएस

हर्रैया कस्बे अंजहिया गली में रविवार की भोर में चार बजे एक मकान में रहस्यमय ढंग से आग लग गई। कमरे में सो रहे दो बच्चों सहित मां की दम घुटने से मृत्यु हो गई। इस घटना में बच्चों के पिता गम्भीर हैं।बताया जा रहा है कि सुनील कुमार के मकान के प्रथम तल कमरे में अज्ञात करणों से आग लग गई। जिससे कस्बे में अफरा तफरी मच गई। लेकिन जब तक लोग कुछ कर पाते कमरे में सो रही पूजा केसरवानी 32 पत्नी सुनील, चार वर्ष की बेटी सौरभी और चार माह का मासूम बेटा चपेट में आ गया। आग की धुआं से दम घुटने से मौके पर ही तीनों की मृत्यु हो गई। जबकि सुनील बचाने में झुलस गए।? सूचना पर पहुंची हर्रैया पुलिस ने सुनील कुमार को उपचार के लिए सीएससी हर्रैया पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने सुनील कुमार को उपचार के लिए अयोध्या मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है। सुबह छह बजे सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया, कमरे में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंचे हर्रैया एसडीएम मनोज प्रकाश तथा सीओ संजय सिंह ने घटनास्थल स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। स्वजन से आग कारण की जानकारी लिया। लेकिन अभी तक स्वजन आग लगने सही कारण नहीं बता पा रहे है। इस घटना को लेकर पूरे कस्बे में मातम छाया है। आग शार्ट सर्किट से लगी है या लगाई गई। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 लोगों की मौत

अनकापल्ली । आरएनएस

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ले जिले में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट होने से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढक़र आठ हो गई.

हादसे कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है. रिपोर्ट के मुताबिक जिले के कोटावुतला मंडल के कैलासा शहर में रविवार दोपहर एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में आकस्मिक विस्फोट हुआ. हादसे में मारे गए अधिकांश लोग और घायल होने वाले पूर्वी गोदावरी जिले के समरलाकोटा के हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों बनाने के लिए मशहूर इस फैक्ट्री में शादी-ब्याह का सीजन होने के कारण बड़ी संख्या में कर्मचारी काम कर रहे थे.

विस्फोट के कारण जोरदार आवाज हुई और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की दीवारें जगह-जगह गिर गईं. हादसे में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए नरसीपट्टनम अस्पताल ले जाया गया. पुलिस और अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू कर दिया है.

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की घटना पर सीएम चंद्रबाबू ने दुख जताया. अधिकारियों ने सीएम चंद्रबाबू को घायलों की स्थिति के बारे में बताया. अधिकारियों ने सीएम को बताया कि दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है.

वहीं, गृह मंत्री अनीता ने कलेक्टर और एसपी से फोन पर बात की और दुर्घटना के बारे में जानकारी ली. गृह मंत्री अनिता ने आतिशबाजी उद्योग में आग लगने की घटना पर दुख जताया है. दुर्घटना वाले क्षेत्र में बचाव कार्य के लिए दमकल कर्मियों को सतर्क कर दिया गया है.

स्पीकर अय्यन्नापत्रुडु ने भी आग की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया. उन्होंने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. स्पीकर ने नरसीपट्टनम आरडीओ को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का आदेश दिया. स्पीकर अय्यन्ना ने नरसीपट्टनम एरिया अस्पताल के कर्मचारियों को सतर्क किया और उन्हें बिस्तर, वेंटिलेटर और स्टाफ उपलब्ध कराने का आदेश दिया.